University in News on 26 February 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

तारों के बीच और धूमकेतु पर मिले जीवन के संकेत

लविवि की प्रोफेसर के शोध को ब्रिटेन व अमेरिकी जर्नल ने दी मान्यता

विनीत चतुर्वेदी

लखनऊ। क्या आकाश में तारों के बीच और धूमकेतु पर भी कभी जीवन रहा है? या फिर जीवन की संभावना है। ऐसे सवालों का फिलहाल कोई निश्चित जवाब तो नहीं दिया जा सकता, पर लविवि की खगोलिकी विभाग की एसोसिएट प्रो. अलका मिश्र ने ऐसे संकेत जरूर खोजे हैं जो इस ओर इशारा करते हैं।

प्रोफेसर अलका मिश्र को अंतरिक्ष में कुछ ऐसे तत्वों की मौजूदगी मिली है जो वहां जीवन की संभावनाओं की ओर इशारा करते हैं। इसे दुनिया के कई देशों के प्रतिष्ठित विज्ञान जर्नल ने भी मान्यता दी है। अपने शोध के दौरान प्रो. अलका को बहुत से तारों के बीच और धूमकेतु पर प्रीबायोटिक कार्बन, अमीनो एसिड्स, न्यूक्लियोबेस आदि के सुराग मिले। ये ऐसे कंपोनेंट हैं जो जीव के शारीरिक संरचना के लिए जरूरी हैं।

यही नहीं, इन तत्वों के क्वांटम रासायनिक विश्लेषण में उन्हें ग्लाइसीन आदि मिले जिससे स्पेस में जीवन के अंश की मौजूदगी की बात पुष्ट हुई। उनका कहना है कि अंतरिक्ष में ऐसे तीन सौ से ज्यादा मॉलिक्यूल्स चिह्नित किए गए हैं जो वहां जीवन की मौजूदगी की गवाही देते हैं। उनके शोध को ब्रिटेन की रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी जर्नल और अमेरिकी जर्नल एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स से मान्यता मिल चुकी है। (संवाद)

लखनऊ विवि की खगोलिकी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर अलका मिश्र। संवाद

खुलेंगे कई अनसुलझे रहस्य

> इन शोध परिणामों से भविष्य में अणुओं और जीवन की उत्पत्ति, तारों और ग्रहों के निर्माण समेत ब्रह्मांड के कई अनसुलझे रहस्य खुलेंगे। हमारे शोध का उद्देश्य अंतरिक्ष में होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं व भौतिक घटनाओं को समझना है। इसके लिए हम गणितीय मॉडल और कंप्यूटर सिमुलेशन का उपयोग करते हैं।
>
> – डॉ अलका मिश्रा, एसोसिएट प्रोफेसर, गणित एवं खगोलिकी विभाग, लविवि

16 विषयों में हुई पीएचडी की प्रवेश परीक्षा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में रविवार को पीएचडी की प्रवेश परीक्षा के दूसरे दिन शिक्षाशास्त्र, अर्थशास्त्र विधि, हिंदी समेत 16 विषयों की परीक्षा हुई। विवि की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, शिक्षाशास्त्र विभाग में 79 फीसदी, अर्थशास्त्र में 83, विधि में 80, कॉमर्स में 91, हिंदी में 82 और रसायन विज्ञान में 76, सोशल वर्क में 79 फीसदी, पब्लिक ऐड में 82 फीसदी व अन्य विषय में करीब 75 फीसदी से अधिक उपस्थिति रही। (संवाद)

लविवि : 11 अभ्यर्थियों को मिला रोजगार

लखनऊ। लविवि के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से 11 छात्र-छात्राओं को निजी कंपनियों में रोजगार दिया गया। प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा ने बताया कि अभ्यर्थियों का चयन मैनेजमेंट ट्रेनी के पद पर हुआ है। 24 हजार प्रतिमाह वेतन व अन्य सुविधाएं दी जाएंगी। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

दो कंपनियों में प्लेसमेंट व इंटर्नशिप का मौका

जासं, लखनऊ: लवि ने छात्र-छात्राओं के लिए भारती एयरटेल एवं आउटलुक ग्रुप कंपनी में प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप का मौका दिया है। इसके लिए आवेदन का आखिरी दिन सोमवार को है। प्लेसमेंट प्रभारी डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि भारती एयरटेल कंपनी में एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के पद पर 4.5 लाख प्रतिवर्ष पैकेज के लिए एमबीए के छात्र-छात्राएं लिंक forms.gle/3eGB9qZmRgm4PGYo7 पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। एमबीए, बी.बी.ए, बी.एम.एस, बी.काम., बी.एससी., बी.जे.एम.सी, बी.टेक, एम.एससी., एम.काम. के छात्र इंटर्नशिप के लिए https://forms.gle/3ht4PuEgzsZe1v116 पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इंटर्नशिप के दौरान छात्रों को अधिकतम 20,000 का स्टाइपेंड मिलेगा।

HINDUSTAN PAGE 8

तैयारी | छात्रों को रोजगार, इंटर्नशिप दिलवाने में मदद करेगा एआईसीटीई, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के चेयरमैन ने जानकारी दी

बीसीए और बीबीए वाले कॉलेजों को यूजीसी ही देगा मान्यता

■ शाश्वत मिश्रा

लखनऊ। एआईसीटीई सिर्फ स्टैंडर्ड सेटिंग बॉडी है। हम डिग्री नहीं देते हैं। शिक्षकों को प्रशिक्षण, छात्रों को इंटर्नशिप और अंतरराष्ट्रीय स्तर का करिकुलम बनाकर देंगे। यह सुविधा हम बीसीए और बीबीए या बीएमएस पाठ्यक्रम संचालित करने वाले कॉलेजों को देंगे। पर, उन्हें मान्यता यूजीसी ही प्रदान करेगा। यह बातें अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के चेयरमैन प्रो. टीजी सीताराम ने 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में कही। वह पिछले दिनों लखनऊ विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम में हिस्सा लेने आए थे।

प्रो. टीजी ने कहा कि 26 शहरों में 100 सुविधा केंद्र स्थापित किए गए हैं। यहां बीसीए और बीबीए या बीएमएस पाठ्यक्रमों की पेशकश करने वाले संस्थानों जाकर एप्लीकेशन जमा कर सकते हैं। जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। प्रो. टीजी सीताराम ने बताया कि बीसीए और बीबीए या बीएमएस संचालित करने वाले संस्थानों को एआईसीटीई अनुमोदन के नए प्रावधान आदर्श पाठ्यक्रम के जरिए बेहतर गुणवत्ता, प्रगति, सक्षम और स्वनाथ करेगा। छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए पात्रता, अटल अकादमी, अनुसंधान संवर्धन के माध्यम से एफडीपी में संकाय भागीदारी भी सुनिश्चित करेगा। प्रो. टीजी सीताराम ने कहा कि संकाय के वित्त पोषण की योजना, छात्रों के लिए इनोवेशन सेल गतिविधियां, सभी तकनीकी पुस्तकों और छात्र मूल्यांकन पोर्टल तक पहुंच, एआईसीटीई के इंटर्नशिप के माध्यम से छात्रों के लिए प्लेसमेंट सुविधाएं भी मुहैया कराएंगे। वहीं, हमारे पास पूरे देश से डाटा आए हैं। बीते तीन वर्षों से इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट, होटल मैनेजमेंट और आर्ट्स एंड डिजाइन में एडमिशन लेने वाले छात्रों की संख्या 10 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ी है। मैकेनिकल, सिविल और इलेक्ट्रिकल की अपेक्षा कंप्यूटर एंड डाटा साइंस में बच्चे ज्यादा हैं। क्योंकि इसमें रोजगार की संभावना अधिक है।

प्रो. टीजी सीताराम।

26 शहरों में 100 से अधिक सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे

03 वर्ष में दस फीसदी दाखिले इंजीनियरिंग में बढ़ गए हैं

पाइथन प्रोग्राम 70 देशों में डाउनलोड किया गया

- 78 कॉलेजों में क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग डिप्लोमा कार्यक्रम संचालित हैं।
- क्षेत्रीय भाषा में अनुवाद किए गए पाइथन प्रोग्राम को 70 देशों के लोगों ने डाउनलोड किया है।
- प्लेसमेंट पोर्टल पर तीन हजार कंपनियां रजिस्टर्ड हैं। यह कंपनियां ग्रामीण और अर्ध शहरी इलाकों में रहने वाले इंजीनियरिंग डिग्री व डिप्लोमा धारक को नौकरी देने का कार्य कर रही हैं।
- इंटर्नशिप पोर्टल से तीन लाख से ज्यादा छात्रों ने इंटर्नशिप प्रोग्राम पूरा कर लिया है।
- एआईसीटीई ने दुनिया का सबसे बड़ा मूक कार्यक्रम 'स्वयं' लांच किया है। इसमें10 हजार कोर्स हैं।

कोर इंजीनियरिंग में ज्यादा संभावनाएं

एआईसीटीई चेयरमैन ने कहा कि हमें इस अवधारणा को बदलना है कि कोर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करके नौकरी नहीं मिल सकती। रूढ़िवादी सोच से ऊपर उठना है। उन्होंने कहा कि आईटी की अपेक्षा कोर इंजीनियरिंग में अच्छी संभावनाएं हैं। ऑटोमोबाइल सेक्टर का उदाहरण देते हुए कहा कि आईटी क्षेत्र में नौकरी करने वाला व्यक्ति 10 हजार रूपये प्रतिमाह कमाई कर रहा है।

एमबीए के 11 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 11 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। चयनितों को ट्रेनिंग के दौरान 25 हजार रुपये प्रतिमाह का वेतन मिलेगा। एलयू की प्लेसमेंट सेल की निदेशिका प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि एक प्रतिष्ठित कंपनी में प्लेसमेंट के लिए ड्राइव का आयोजन किया गया था। एमबीए के छात्रों ने इसके लिए आवेदन किया था। कंपनी ने 11 विद्यार्थियों को चयनित किया है। इसमें एमबीए एचआर की मंदिरा श्रीवास्तव, रितिका गुप्ता, अंजली पाठक, एमबीए मार्केटिंग के उत्कर्ष अग्रवाल, हिमांशु गुप्ता, वैभव सिंह, एमबीए फाइनेंस के राजर गुप्ता, पुष्पेन्द्र, मयंक धर द्विवेदी, स्नेहा वर्मा और एमबीए आईबी के अर्पित सिंह को चुना है। चयनितों को पहले मैनेजमेंट ट्रेनी के पद पर रखा जाएगा।

JAGRAN CITY PAGE III

पीएचडी : दूसरे दिन 78 प्रतिशत अभ्यर्थी आए

जासं, लखनऊ: लवि में रविवार को भी पीएच.डी प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई। दूसरे दिन 16 विषयों में ओवरआल 78% अभ्यर्थी शामिल हुए। अब प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के परिणाम जारी करने के बाद साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा।

रविवार को सुबह की पाली में 10.30 से दोपहर 12 बजे तक एजुकेशन, ओरियंटल संस्कृत, जियोलाजी, इकोनामिक्स, एआईएच, ला और दोपहर 2.30 से चार बजे तक कामर्स, बाटनी, एमआईएच, साइकोलाजी, डिफेंस स्टडीज, फिलासफी, सोशल वर्क, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, केमिस्ट्री, हिंदी विषय की प्रवेश परीक्षा हुई। प्रत्येक विषय में 70 प्रश्न पूछे गए थे। इनमें से 35 प्रश्न विषय आधारित और 35 प्रश्न रिसर्च मैथेडोलाजी के थे। कामर्स में 91.5%, ओरियंटल संस्कृत में 90%, साइकोलाजी में 65%, ला में 80%, फिलासफी में 76.6%, एआईएच में 81.3%, एजुकेशन में 79.4% अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

TOI PAGE 3

LU asks 51 colleges to get temporary affiliation renewed

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University has directed 51 of 524 colleges affiliated to it to get the inspection of the campus done by experts picked by it to get the affiliation renewed.

The affiliation for the courses will be granted only if colleges meet the infrastructure and other requirements for offering the respective courses.

The colleges will have to submit their inspection reports for 81 courses for which they were granted affiliation three years back.

The institute will have to submit this report in online or offline mode by March 31, failing which the colleges will lose affiliation.

"The LU has a team of experts which physically verifies whether the college has adequate classrooms, libraries, fans, laboratories and others. These colleges have been granted temporary affiliation for three years which is expiring this year hence for the academic session 2024-25 they have to complete the process," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

"We grant two kinds of affiliations, permanent and temporary, based on the on-site inspection report submitted by our experts. If these colleges don't abide by the affiliation extension rules they will not be allowed to admit students in these 81 courses. These colleges offer BA, BSc, BCom, MCom and MSc courses. The affiliation of these courses will expire on June 30 hence they need to complete the process in advance," he added.

i-NEXT PAGE 4

एलयू में 78 प्रतिशत ने दी पीएचडी प्रवेश परीक्षा

LUCKNOW (25 Feb): लखनऊ विश्वविद्यालय में रविवार को भी पीएचडी प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई. दूसरे दिन 16 विषयों में ओवरआल 78 प्रतिशत अभ्यर्थी शामिल हुए. अब प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के परिणाम जारी करने के बाद साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा.रविवार को सुबह की पाली में 10.30 से दोपहर 12 बजे तक एजुकेशन, ओरियंटल संस्कृत, जियोलाजी, इकोनामिक्स, एआईएच, ला और दोपहर 2.30 से चार बजे तक कामर्स, बाटनी, एमआईएच, साइकोलाजी, डिफेंस स्टडीज, फिलासफी, सोशल वर्क, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, केमिस्ट्री, हिंदी विषय की प्रवेश परीक्षा हुई. प्रत्येक विषय में 70 प्रश्न पूछे गए थे. इनमें से 35 प्रश्न विषय आधारित और 35 प्रश्न रिसर्च मैथेडोलाजी के थे. कामर्स में 91.5 प्रतिशत, ओरियंटल संस्कृत में 90 प्रतिशत, साइकोलाजी में 65 प्रतिशत उपस्थित रही. इसी तरह ला में 80 प्रतिशत, फिलासफी में 76.6 प्रतिशत, एआईएच में 81.3 प्रतिशत, एजुकेशन में 79.4 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित रहे.